नाम-अभिनव, वर्ग-7, ग्राम-संथू

नाम-विशाल, वर्ग-7, गाँव-बंथू श्रीराम

PARIVARTAN
परिवर्तन

TAKSHILA
तक्षशिला

चहकने की ललक

अंक – इक्कीस
अप्रैल 2022 – जुलाई 2022

ग्राम : नरेन्द्रपुर, प्रखंड : जीरादेई
जिला : सिवान, बिहार
दूरभाष : +91 8434170118

बाल संवाद

प्यारे दोस्तों

मैं हूँ चहकने की ललक। हर बार की तरह इस बार भी अंक 21 मेरे बाल लेखकों ने मेरे बारे में बहुत कुछ अच्छा लिखा है। इससे पता चलता है कि मुझसे मिलने के बाद उन बाल लेखकों में काफी कुछ बदलाव हुआ है। इस बार तो मेरे प्यारे लेखकों ने मुझे खुद से तैयार किया है एवं कविताएं, कहानियाँ, लेख, आपबीती चुटकुला जैसी कई सुंदर रचनाओं व चित्रों से मुझे सजाया है। सर्वप्रथम 2014 में मुझे प्रकाशित किया गया जिसमें मेरे बाल लेखकों ने अपनी रचना प्रदर्शित किया। उस दरमियाँ उन्हें बेहद खुशी हुई और लगातार मेरे लिए अपनी रचना लिखते रहे। आशा करता हूँ कि आगे भी ऐसे ही अच्छा लिखेंगे। यह परिवर्तन बाल अखबार सभी बच्चों का अखबार है। इस अखबार में सभी बच्चे अपने-अपने कला को दिखाने की कोशिश करते हैं।

आपका साथी
चहकने की ललक

पहेली

1. एक लाठी की सुनी कहानी,
   छिपा है उसमें मीठा पानी
2. बीन बजाता आता है खून पी उड़ जाता है।
3. सीधी सीधी गली खून से भरी
4. दो पहियों पर चलती है बिना प्रदूषण
   आम आदमी की वाहन
5. कटोरे पे कटोरा बेटा बाप से भी गोरा

नाम शिवांश वर्ग 3, गांव संथू

ईख, मच्छर, सिन्दुर, साइकिल, नारियल

1. दुनिया का वह कौन सा बच्चे का खिलौना है जो कितना भी अमीर आदमी नहीं खरीद सकता है।
2. वह कौन है जो रात में रोती है दिन में सोती है ।
3. वह कौन है जो घर की रानी है पर घर उसका नहीं है।
4. जंगल है पर जानवर नहीं पानी है पर मछली नहीं घर है आदमी नहीं
5. हरा है पर पेड़ नहीं नकल करता है पर बंदर नहीं

अनामिका कुमारी वर्ग 8, गांव बंथू श्री राम

चंदामामा मोमबत्ती नौकरानी नारियल तोता

लेख सतुआन

हम सुबह उठते हैं। फिर ब्रश करते हैं। और नहाते हैं। उसके बाद पूजा करते हैं और जौं का सत्तू और नमक खाते हैं और प्याज और आम की चटनी खाते हैं। और सत्तू बहुत तरह-तरह के होते हैं। जैसे चना का सतु, मक्का का सतु, जौं का सतु, मटर का सतु हमें जौं का सतु पसंद है इसलिए हम जौं का सतु खाते हैं और हमारी नानी जी दोपहर के समय बगीचे से टिकोरा लाती हैं फिर उसकी चटनी बनाती हैं जो खाने में बहुत स्वादिष्ट लगता है सतुआन 14 अप्रैल को मनाया जाता है।

नाम सिमरन, कुमारी वर्ग 2, गांव सन्थू

नाम-हरिओम भगत, वर्ग-5, गाँव-बंथू श्रीराम

लेख गर्मी

नाम-सृष्टि कुमारी, वर्ग-3, गाँव-संथू

गर्मी के मौसम में मक्का और चना पीसकर दुकान पर बिकता है। और सब लोग खरीदते हैं। सब की मम्मी सतुवा खरीद कर लाती है। फिर सानती है और भगवान को पहले चढ़ाते हैं। तब हम सब लोग खाते हैं। फिर हमारे पिता जी काम पर से आते हैं। तो सतुवा पैसे से खरीद कर मांगते हैं। हमारी मम्मी सतुवा को सानती हैं। और आम की चटनी मेरी दीदी पीसती हैं। और हमारे पिता जी खाते हैं। फिर वह काम पर चले जाते हैं। उसके बाद दोपहर के समय हम पंखा चला कर सो जाते हैं।

नाम प्रियंका, कुमारी यादव, गांव बाबू के भटकन

लेख आम का बगीचा

हम लोग दोपहर में आम के बगीचे में जाते हैं और जो बगीचे का रखवाली करता है वह सोया रहता है हम लोग अपने दोस्तों के साथ जाते हैं तब तक वह जग जाता है। और हम लोग को पीटने के लिए दौड़ता है। तब हम लोग भाग जाते हैं। और बगीचे में फिर से जाते हैं। तब हमारे सारे दोस्त भाग जाते और वह मुझे पकड़ लेता है और वह मुझे लड़का समझ कर बहुत मारता है। तब उसे पता चलता है कि हम लड़की हैं। तब वह मुझे छोड़ देता है।

नाम खुशबू कुमारी, वर्ग 7, गांव बाबू के भटकन

लू

लू एक ऐसी बीमारी है जो गर्मी के मौसम में होती है यह बीमारी मई जून-जुलाई में होती है हमें हमारी मम्मी की या पापा बाहर जाने से मना करते हैं अगर हम बाहर जाते हैं तो बहुत ताव मारता है और गर्म हवा चलती है जिसके कारण लू लगने का खतरा होता है इसलिए हमें जब भी बाहर जाना चाहिए तो छाता या मोटा तौली ले जाना चाहिए। अगर लू लग जाए तो हमे कच्चा आम पका कर उसे घोल कर पीने से बिमारी ठिक हो जाती है। और अगर बिना बताए चले जाते हैं और घर वापस आते हैं तो मम्मी या पापा मारते हैं। हमें लू से बचने के लिए कच्चा प्याज भी खाए तो लू नही लगता।

नाम अभिनव मधुकर, कक्षा 7, गांव संथू

खुले से प्रश्न

अगर बारिश में आग बरसता तो क्या होता
अगर गर्मी में हवा नहीं चलती तो क्या होता
अगर सूर्य भगवान नहीं होते तो क्या होता
अगर नदी न बहती नहीं बहती तो क्या होता

नाम नजिया, वर्ग 7, गाँव मियां भटकन

चुटकुले

टीचरः आपको पता है हम पानी क्यों पीते हैं
बच्चाः क्योंकि पानी हम खा नहीं सकते
पिताः मैं चाहता हूं कि तुम बड़े होकर वकील बनो
बेटाः ऐसा क्यों?
पिताः ताकि मेरा काला कोट पहन सको।

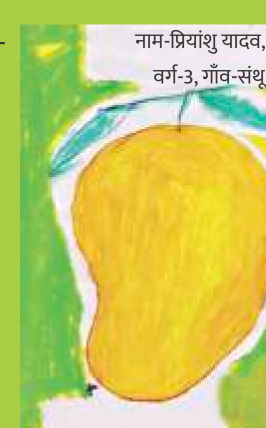

नाम-प्रियांशु यादव, वर्ग-3, गाँव-संथू

नाम संजना कुमारी, गांव बड़हुलीया

लेख

नाम-नंदनी, वर्ग-3, गाँव-संथू

आम का बगीचा

हमारे गांव में एक आम का बगीचा है वहां हम आम तोड़ने जाते हैं। माटी का ढेला आम तोड़ने के लिए पेड़ पर चलाते हैं। फिर आम कभी-कभी आम टूट जाता है। कभी-कभी नहीं टूटता है। हम बहुत कोशिश करते हैं तो आम पेड़ पर से टूट के गिरते हैं। फिर हम घर आते हैं। तो मम्मी हमें डाॅटती हैं। फिर हम दोबारा अपने दोस्तों के संग जाते हैं। तो 3 बजे से जाते हैं। तो 5 बजे आते हैं। फिर से मम्मी हमें मारती हैं। तो हम रोने लगते हैं तो हम बोलते हैं कि मैं कभी नहीं जाऊंगा अगले दिन फिर हम आम के बगीचे में जाते हैं।

नाम गोलू कुमार, वर्ग 7, गांव संथू

लेख

गर्मी की दोपहर

नाम-आशीष, वर्ग-6, गाँव-बाबु भटकन

गर्मी जेठ के महीने से शुरू होता है। गर्मी सावन के महीने में खत्म होता है। गर्मी में घर से बाहर कोई नहीं निकलता है। अपने घर में दोपहर के समय बहुत ज्यादा गर्मी के कारण सब पंखा चला कर सोते हैं और रात के समय छत पर जा कर सोते हैं गर्मी के जेठ के महीने में स्कूल की छुट्टी मिलती है और हम अपने दोस्तों के साथ खेलते हैं और बहुत मस्ती करते हैं। हम अपने दोस्तों के साथ परिवर्तन में 10 बजे से जाते हैं और वहां चित्रकला सीखते हैं और कंप्यूटर चलाता हूं और पुस्तकालय में जाता हूं बालघर में जा कर लकड़ी का घर बनाता हूं आते समय खाते पीते आता हूं।

नाम सचिन कुमार गुप्ता, कक्षा 6 गांव भरौली

जेठ की दोपहर

एक दिन दोपहर में बहुत तेज धूप था और मैं घर से बाहर गया तो मेरा पैर जलने लगा और फिर मैं दौड़कर घर गया और चप्पल पहना और फिर से बाहर गया तो मुझे गर्मी होने लगी और मुझे प्यास लग गई मैं घर आया और पानी पीकर अपना प्यास बुझाया उसके बाद मैं फिर से बाहर गया मुझे बहुत तेज भूख लग गई और मेरी तबीयत खराब हो गई इसके बाद से धूप में कभी घर से बाहर बेवजह निकला ही नहीं असर इतनी गर्मी जेठ की दोपहर में होती है।

नाम अभीज्ञान पुष्कर, कक्षा 7, गांव संथू

नाम-पवन कुमार, वर्ग-4, गाँव-संथू

आगामी थीम

1. स्वतंत्रता दिवस, 2. शादी समारोह
3. सोमबारी, 4. जामुन का पेड़

हमार बोली

हमार नाम नुसरत प्रवीन है हम मियां के भटकन गांव में रहेनी हमारा घरे बहुत लोग बा हमारा घर के द्वार पर एगो जामुन के गाछ बा ओ पर बहुत जामुन फरेला जब हवा बहेला जामुन गिरे लागेला और हमारा द्वार पर ठेर लईका आ जालेसन और सब जामुन बिने लागेला लोग बहुत मज़ा आवेला।

नाम नुसरत प्रवीन, वर्ग 7, गांव मिंया भटकन

नाम-सन्देश कुमार, वर्ग 4, गाँव-संथू

लेख शिक्षक की कलम से

सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारतीय संस्कृति के संवाहक पुस्ताक शिक्षाविद महान दार्शनिक और एक आस्थाक हिंदू विचारक थे। राधाकृष्णन का जन्म तमिलनाडु के तिरुतनी गांव में 5 सितंबर 1888 को हुआ था। डॉ राधाकृष्णन शिक्षा को सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक परिवर्तन के साधन के रूप में परिभाषित करते थे। सामाजिक और राष्ट्रीय एकता के लिए उत्पादकता बढ़ाने के लिए शिक्षा का उचित उपयोग किया जाना चाहिए। उनका मानना था कि शिक्षा का महत्व केवल ज्ञान और औकात में नहीं है बल्कि बच्चों के सार्वजनिक विकास में है डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन 1952 से 1962 तक भारत के दूसरे उपराष्ट्रपति थे और 1962 से 1967 तक भारत के दूसरे राष्ट्रपति थे उनका जन्मदिन भारत में शिक्षक दिवस के रूप में भी मनाया जाता है जब डॉ राधाकृष्णन भारत के राष्ट्रपति बने तो उनके कुछ छात्र और मित्र उनका जन्मदिन मनाने के लिए उनके पास गए और इसके लिए अनुरोध किया लेकिन डॉ राधाकृष्णन ने अत्यंत विनम्रता के साथ उन्हें हर साल अपने जन्मदिन पर शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया। देश के शिक्षा के लिए उनका योगदान बहुत सराहनीय है था। उनकी मृत्यु 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुई थी।

नीतू श्रीवास्तव, प्रधानाध्यापक, रा प्रा वि खेम भटकन

गर्मी आई लेकर आम
गर्मी आई लेकर आम
घर से निकले बुद्धू राम
नहीं लिए हाथ में छाता
गर्म हो गया उनका माथा
दौड़े-दौड़े घर को आए
पानी डाले खूब नहाए
फिर वह बोले हे भगवान
कैसे लाऊं अब मैं आम

नाम पवन शर्मा
वर्ग 5, गांव सन्थु

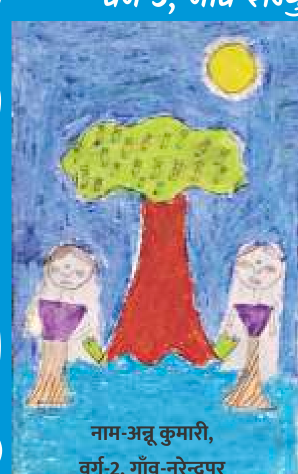
नाम-अनू कुमारी, वर्ग-2, गाँव-नरेन्द्रपुर

हमारे बाल चित्रकार

नाम-दीपांशु, वर्ग-3, गाँव-बड़हुलिया

नाम-साक्षी, वर्ग-3, गाँव-संथू

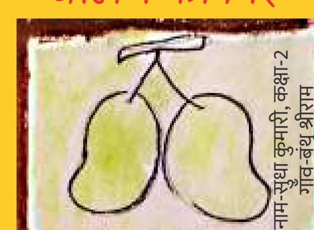
नाम-सुँधा कुमारी, कक्षा-2 गाँव-बंधू श्रीराम

अमृता कुमारी वर्ग-3, गाँव-संथू

आशीष कुमार वर्ग-6, गाँव- बाबु भटकन

नाम-अंशिका कुमारी वर्ग-4, गाँव- बड़हुलिया

आपबीती

एक बार हमने महिला दिवस पर जयपुर घूमने जाने का प्रोग्राम बनाया था। मैं बहुत खुश थी कि हम सब वहां का किला देखेंगे। वहां का नजारा कैसा होगा। अगली सुबह जब हम बस स्टेशन गए तो हमने देखा कि हमारी बस छूट गई तभी हमने देखा वहां हमारी जान पहचान के लोग मिल गए उन्होंने बताया कि माउंटआबू बहुत अच्छी जगह है फिर हम उनके वही घूमने चले गए वहां जाते ही हमने देखा कि वहां बहुत सारे देवी देवता का मंदिर है। वहां घूमने के लिए बाहर से भी लोग आए थे। वह जगह बहुत अच्छी थी। बहुत सारी जगह घूमे फिरे खाया पिया बहुत मजा आया इस तरह हमारा महिला दिवस यादगार बन गया।

नाम निशा कुमारी, वर्ग 5, गांव बंधू श्रीराम

जलवायु परिवर्तन

लेख

जलवायु परिवर्तन का मतलब है पानी का गंदा या दूषित होना आप सभी जानते हैं कि जल हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण हम नदी और तालाबों में नहाते हैं कपड़े धोते हैं जानवरों को नहलाते हैं जिससे पानी गंदा हो जाता है इस पानी को पी कर लोग बीमार हो जाते हैं इसको हम जलवायु परिवर्तन कहते हैं। वायु परिवर्तन का मतलब है हवा का गंदा या दूषित होना हम सभी जानते हैं कि शहरों के फैक्ट्रियों में से बहुत गंदा गैस निकलता है जिससे हवा गंदा हो जाता है जब हम सांस लेते हैं तो गंदा बैक्टीरिया अंदर चला जाता है जिससे हम बीमार पड़ जाते हैं इसे हम वायु परिवर्तन कहते हैं।

नाम अमन कुमार गुप्ता, वर्ग 7, गांव बाबू के भटकन

नाम-गोलू कुमार, वर्ग-4, गाँव-संथू